

असाधारण

EXTRAORDINARY.

भाग II---वण्ड 3--- उप-वण्ड (i) 27 👯 1973

PART II -- Section 3-Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं**० 8]** नई विल्ली, शुक्रवार, जनवरी 12, 1973/पीय 22, 1894

No. 8] NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 12, 1973/PAUSA 22, 1894

इस भाग में भिम्म पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Insurance)

NOTIFICATION

CENTRAL EXCISES

New Delhi, the 12th January 1973

G.S.R. 11(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance), No. 215/72-Central Excises, dated the 21st November, 1972, the Central Government hereby exempts sugar falling under sub-item (1) of Item No. 1 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), and produced in a factory which had only a trial run in the base period, from so much of the duty of excise leviable thereon as is equivalent to forty rupees per quintal on the quantity of sugar produced during the period commencing from the 1st day of October, 1972 and ending with the 30th day of September, 1973:

Provided that the exemption under this notification shall be applicable only to such quantity of sugar as is produced in excess of five thousand metric tonnes:

Provided further that in computing the production of sugar,-

- (a) the data, as furnished in Form R.G.1 prescribed in Appendix I to the Central Excise Rules, 1944, or in such other record as the Collector may prescribe under rule 53 or rule 173G of the said rules, shall be adopted;
- (b) any sugar obtained from reprocessing of sugar-house products left over in process at the end of the base period shall be taken into account;
- (c) any sugar obtained by refining gur or khandsari sugar, or any sugar obtained by reprocessing of defective or damaged sugar or brown sugar, if the same has already been included in the quantity of sugarproduced, shall not be taken into account.

Explanation.—For the purposes of this notification,—

- (1) a factory shall be deemed to have had a "trial run" during the base period only if, on first going into production, the period during which actual crushing was done during the base period was less than 40 per cent of the average duration of the season in the State in which the factory is situated,
- (2) "base period" means the period commencing from the 1st day of October, 1971 and ending with the 30th day of September, 1972.

[No. 5/73-CE/F. No. 14/22/72-CX. 1.]
S. R. NARAYANAN, Under Secy.

बित मंत्र लय

(राजस्व ग्रीर बीमा विभाग)

ध्रधिसूचना

केन्द्रीय उत्पाद म्लक

नई हिली, 12 जनवरी, 1973

स ० का० नि० 11 (म). केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, छौर भारत सरकार के वित्त मन्त्रालय (राजस्व श्रीर बीमा विभाग) की प्रिधिस्चना सं० 215/72-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 21 नवस्वर, 1972 को प्रतिष्ठित करते हुए, केन्द्रीय सरकार, ऐसी चीनी के जो केन्द्रीय उत्पाद शुल्क थ्रौर नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की भद संख्या 1 की उपमद (1) के प्रन्तर्गत श्राती है, श्रौर जिसका उत्पादन ऐसे कारखाना में किया जाता है जो श्राधार श्रवधि में केवल परीक्षण के तीर पर चलाया गया हो, उस पर उद्ग्रहणीय उतने उत्पाद शुल्क से एतद्द्रांग छूट देना है जितना 1 श्रवत्वर, 1972 से श्रारम्भ होने वाली श्रौर 30 सित वर, 1973 को समान्त होने वाली श्रवधि के दौरान उत्पादित चीनी साहा पर चालीम रूपए प्रति क्विटल के बराबर हो:

परन्तु इस प्रधिसूचना के प्रधीन छूट केवल चीनी की उतनी मात्रा को लाग् होगी जितनी पांच हजार मीटरी टन से प्रधिक उत्पादित की गई हो :

परन्तु यह श्रौर कि चीनी के उत्पादन की संगणना करने में ,--

(क) ऐसे आंकडे, जो केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के परिशिष्ट 1 में विहित प्रकंप भार जी । में या ऐसे अन्य अभिलेख में दिए गए है जो कलक्ट शहारा उन्त नियमों के नियम 53 या नियम 173 छ के अधीन विहित किया जाए, अपनाए आएंगे,

- (ख) म्राधार श्रवधि के ग्रन्त में प्रसंस्करण में बच गये चीनी-गृह-उत्पादों के पुनः प्रसंस्करण से श्रभिप्राप्त चीनी हिसाब में ली जाएगी।
 - (ग) यदि इनको उत्पादित चीनी की मात्रा में पहले ही सम्मिलित कर लिया हो तो गुड़ या खण्डसारी चीनी के परिष्करण द्वारा घिभश्राप्त चीनी, या खराब या विकत चीनी के पुनः प्रसंस्करण द्वारा श्रभिप्राप्त चीनी या भूरी चीनी हिसाब में नहीं ली जाएगी।

स्पध्टोक∹्स :---

इस प्रधिसूचना के प्रयोजनों के लिए,---

- (1) कोई कारखाना म्राधार ग्रविध के दौरान "परोक्षण के तौर पर चलाया गया" तभी समझा जाएगा यदि पहली बार उत्पादन करते समय ऐसे म्रविध, जिसके दौरान म्राधार भ्रविध में वास्तविक पिराई की गई थी, उस राज्य में जिसमें कारखाना स्थित है, उस मौसम की भ्रौसत कालाविध के 40 प्रतिशत से कम थी,
- (2) "ब्राधार अवधि" से 1 अक्तूबर, 1971 से प्रारम्भ होने वाली और 30 सितम्बर 1972 को समाप्त होने वाली अवधि अभिन्नेत है।

[सं० 5/73/के० उ० शु० फा० मं० 14/22/72-सी एक्स-1] एम० श्रार० नारायणन, श्रवर मचिया